Vidya Bhawan, Balika Vidyapith
Shakti Utthan Ashram, Lakhisarai-811311(Bihar)

Class - XI
Subject : Music

Teacher's name : Partha Sarkar
Date - 12.09.2021

STUDY METEREAL BASED ON NCERT

Swar / स्वर

बाईस श्रुतियों में से मुख्य बारह श्रुतियों को स्वर कहते हैं । ये स्वर सप्तक के अंतर्गत थोड़ी – थोड़ी दूर पर फैले हुये हैं । इन स्वरों के नाम हैं – षडज , ऋशभ ,गंधार , मध्यम , पंचम , धैवत और निषाद । व्यवहार की सरलता के लिए इन्हे क्रमश – सा रे ग म प ध और नि कहा जाता है ।

स्वरों के नाम –

सा – षडज

रे – **ऋशभ**

ग – **गंधार**

म – **मध्यम**

प – **पंचम**

ध – **धैवत**

नि – **निषाद**

स्वरों की संख्या –

मुख्य रूप से स्वरों की संख्या 7 मनी गयी है पर शुद्ध स्वर के अतिरिक्त 5 विकृत स्वर भी हैं । सब मिला कर स्वरों की संख्या 12 मनी गयी है । सप्तक सा से नि तक 12 स्वरों को एक सप्तक कहते हैं ।

स्वरों के प्रकार –

- **शुद्ध स्वर**
- **विकृत स्वर**

Shudha swar / शुद्ध स्वर की परिभाषा –

बारह स्वरों में से सात मुख्य स्वरों को शुद्ध स्वर कहते हैं । दूसरे शब्दो में जब स्वर अपने निश्चित स्थान पर रहते हैं । तो शुद्ध स्वर कहलते हैं । इनकी संख्या 7 मनी गयी है । इनके संक्षिप्त नाम हैं – सा , रे , ग , म , प , ध , और नि ।

Vikrit swar / विकृत स्वर

विकृत स्वर – जो स्वर अपने निश्चित स्थान से थोड़ा उतर जाते हैं अठुवा चड़ जाते हैं , वे विकृत स्वर कहलते हैं ।

विकृत स्वर के भी दो प्रकार हैं ।

- **कोमल स्वर**
- **तीव्र स्वर**